(c) Exports of foodstuffs to Ceylon and Burma are affected by the foreign exchange difficulties of these countries as well as by their attempts at self-sufficiency.

As for Japan, every effort is being made to increase our exports. Recently a delegation of Marine Products Export Promotion Council visited Japan to find out ways and means of incresing our exports of marine products. A display of Indian products was arranged under the auspices of the Japan External Trade Organization (JETRO) in Tokyo in February 1971 in which canned and processed foods were exhibited. The Trade Development Authority has also been entrusted with the task of boosting exports of Indian foodstuffs to Japan.

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डे: यद्यपि मंत्री महोदय ने (क) भाग में मुद्रा सम्बन्धी कठिनाइयों का उल्लेख किया है, किन्तु क्या हमारी निर्यात व्यापार सम्बन्धी जो नीति है, उस में कुछ गड़बड़ है या उस के दोषपूर्ण होने के कारण आप का श्रीलंका के साथ जितना निर्यात होना चाहिये था, वह नहीं हो सका है ?

विदेश व्यापार मंत्री (श्री एल. एन. मिश्र) : यह बात नहीं है। लंका के लोग ओनियन, मिर्च, वगैरह लेते है, जो हम उन को भेजते रहते है। हमारा प्रयास है कि उन चीजों की खपत बढ़ाई जाय। जापान मे इन चीजों के लिये काफी अच्छा व्यापार हो सकता है। बर्मा में नहीं हो सकता है। इस लिये इस में नीति का सवाल नहीं है, सामग्री उपलब्ध हो और उसको ठीक ढंग से भेजा जा सके—हम ऐसा प्रयत्न करते हैं।

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डे : आप ने बताया कि जापान को निर्यात वृद्धि करने का प्रयास कर रहें है। क्या इसी प्रकार का प्रयास आप ने बर्मा और श्रीलंक के लिये भी किया है, जिससे श्रीलंका को मिर्च, मसाले, प्याज, लहसुन आदि चीजें भेज कर हम अधिक विदेशी मुद्रा अर्जित कर सकें ?

SHRI A. C. GEORGE : Regarding the problem of Ceylon, it is more a problem of balance of payments. Apart from that they are trying to improve their own self-sufficincy regarding these products.

डा. लक्ष्मीनारायण पाण्डे : अध्यक्ष महोदय मैंने पूछा था कि जापान के साथ व्यापार बढ़ाने का जिस तरह का प्रयास आप कर रहे हैं, क्या बर्मा और श्रीलंका के साथ भी ऐसा ही प्रयास कर रहे हैं ?

श्री एल. एन. मिश्र : माननीय सदस्य कुछ गलतफहमी में पड़े हुए हैं। इस में विचारने की कोई बात नहीं है। माननीय सदस्य यदि इस में दिलचस्पी रखते हैं तो प्याज की कहानी जानते होगें। इस को बहुत मात्रा में भेजा जा सकता था, लेकिन दो-तीन महीने से लंका नहीं खरीद रहा है, उन के यहां आर्थिक संकट है। हम ने उन से कहा है कि अगर आप उधार लेना चाहते हों, तो हम उधार देने के लिये भी तैयार हैं। इस की प्रतिक्रिया हमारे किसानों पर पड़ी है, बहुत मात्रा में प्याज, आन्ध्र में, मद्रास में पड़ा हुआ है। अब वह मागेंगें तब देंगे।

SHRI P. VENKATASUBBAIAH : With regard to our exports to Japan like marine products and all that, may I know whether Government propose to enter into a bilateral agreement with Japan so as to that country ?

SHRI A. C. GEORGE : Even now we have a bilateral agreement.

SHRI T. BALAKRISANIAH : May I know whether any rice has been exported to Burma from Andhra Pradesh ?

SHRI A. C. GEORGE : We are not exporting rice.

Infiltration of Chinese and Pak Spies in Eastern States

*967. SHRI BHARAT SINGH CHAUHAN : Will the Minister of HOME

AFFAIRS be pleased to state :

(a) whether a large number of Chinese and Pakistani spies have recently infiltrated into the eastern States of India ;

(b) whether some persons have also been arrested in connection with the anti-Indian activities there ; and

(c) whether any secret clue or information has been obtained from them ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS AND IN THE DEPARTMENT OF PERSONNEL (SHRI RAM NIWAS MIRDHA) : (a) to (c). Government are fully aware of such possibilities and the utmost vigilance is maintained by all concerned agencies. Arrangements have also been made for the screening and interrogation of refugees. No Pak or Chinese spy was recently arrested in Nagaland, Manipur and N.E.F.A. According to available information, a number of persons have been arrested in Assam, Meghalaya and Tripura and their interrogation is continuing

श्री भारत सिंह चौहान : क्या यह सत्य है कि आसाम से जासूसी के अपराध में भगा दिया गया था और जो यहां के वाशिन्दे नहीं थे, वे लोग फिर आसाम में आ कर जासूसी कर रहे है ? उन में से कितने गिरफ्तार किये गये है और उन पर क्या केस चल रहा है ?

श्री राम निवास मिर्धा : श्रीमन्, मैंने निवेदन किया है कि इस प्रकार के जासूसी के कई केसेज सरकार के ध्यान में आये है, जिन के बारे में जांच की जा रही है कि वे जासूसी के केसेज है या किस प्रकार के, यह ठीक है कि इन दिनों कुछ व्यक्ति इस प्रकार के पकड़े गये है, लेकिन उन के बारे में पूरी जांच-पड़ताल की जा रही है ।

श्री भारत सिंह चौहान : अभी पिछले 23 जून को 7 पाकिस्तानी यंग मैन पकड़े गये हैं और उन को अभी रिमाण्ड में रखा गया है । उस के बारे में क्या रिपोर्ट है, कुछ मालूम हो सकेगा ?

श्री राम निवास मिर्धा : मैं नहीं कह सकता कि माननीय सदस्य किस घटना का उल्लेख कर रहे हैं । .....

श्री भारत सिंह चौहान : पिछले 23 जून को 7 पाकिस्तानी यंग-मैन जासूसी के अपराध में पकड़े गये है, उन को रिमाण्ड पर रखा गया है—यह तो अभी की ही बात है ...

श्री राम निवास मिर्धा : माननीय सदस्य यदि किसी निश्चित घटना की जानकारी चाहते थे तो मुझे पूर्व सूचना देते.....

श्री भारत सिंह चौहान : यह निश्चित घटना है ।

श्री राम निवास मिर्धा : यदि मुझे इस घटना के बारे में निश्चित पूर्व सूचना देते, तो मैं बता सकता था । यह सम्भव है कि इस प्रकार के कई व्यक्ति पकड़े गये है, उन में से ये भी हों । उन के बारे में क्या जांच पड़ताल हो रही है, निश्चित सूचना के बगैर मैं कुछ नहीं कह सकता ।

श्री प्रबोध चन्द्र : माननीय मन्त्री जी के इल्म में क्या कुछ ऐसी घटनायें आई हैं कि इन रिफयूजीज के साथ एजेन्ट-प्रोवोकेटर्स के तौर पर कुछ आदमी भेजे गये है, जो हिन्दू मुसलमानों का रंग दे कर फिसाद कराना चाहते है ?

श्री राम निवास मिर्धा : इस सम्भावना का पूरा ध्यान रखा जायगा ।

श्री भगीरथ भंवर : मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं—कल और आज के समाचार-पत्रों में यह समाचार प्रकाशित हुआ है कि भोपाल और कुछ शहरों में जो पाकिस्तानी लोग पासपोर्ट ले कर आये थे, वे गायब हो गये है ? क्या पुलिस उन लोगों की तलाश कर रही है ?

अध्यक्ष महोदय : यह तो ईस्टर्न स्टेट्स का सवाल है । .....

श्री भगीरथ भंवर : अध्यक्ष महोदय, वह जासूसी करने आये थे और गायब हो गये हैं। क्या सरकार उन की तलाश करने के बारे में कोई कार्यवाही कर रही है ।

अध्यक्ष महोदय : आप मेरी सुनेंगे या मुझे सुना रहे है । यह तो ईस्टर्न स्टेट्स का सवाल है अगर आप को कोई दूसरी बात पूछनी है तो उस के लिये स्पेसिफिक सवाल भेजिये ।

Shortfall in Plan Expenditure

*968. SHRI SHYAMNANDAN MISHRA : Will the Minister of PLANNING be pleased to state :

(a) whether the Prime Minister had recently written letters to the Secretaries of various Departments of Government drawing their attention to the shortfall in plan expenditure year by year ;

(b) if so, whether she had also made some suggestions in this regard ; and

(c) whether any action has been initiated in the light of the suggestions made ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF PLANNING (SHRI MOHAN DHARIA) : (a) No, Sir. But this matter was raised by Prime Minister in a meeting of the Secretaries when she expressed her concern at the short falls.

(b) and (c). Following the meeting each Ministry is actively considering the steps to be taken to avoid these shortfalls in future. The Planning Commission also is looking into this

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA : May I know whether there is any annual assessment of the implementation of the Plan by the Cabinet in addition to whatever appraisals might be made by the Planning Commission ?

SHRI MOHAN DHARIA : After appraisals are made by the Planning Commission, they come before the Cabinet also and a review is made by the Cabinet as well.

SHRI SHYAMNANDAN MISHRA : What exactly caused the Prime Minister so much anxiety and concern as to put it across to the Secretaries ? Have there been serious shortfalls in some of the vital sectors and if so what are those sectors which caused so much concern ?

SHRI MOHAN DHARIA : In 1969-70 the shortfall was to the tune of 110 crores, and in 1970-71 the shortfall was to the tune of Rs 37 crores. The shortfall in the year 1969-70 in the Central sector was to the tune of Rs. 247.22 crores and it was in excess in the State sector to the tune of Rs 149 crores It could be seen that the shortfall was mainly in the Central sector. The main reasons which I have narrated earlier also were : Shortage of raw materials—steel and non-ferrous metals, shortage of power, disturbed industrial relations, improper use of the capacity, as capacity lying idle, procedural bottlenecks, personnel management and lack of co-ordination to some extent These are the major reasons for shortfalls. The Government is considering how the shortfalls could be made up.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी मै यह जानना चाहता हूं क्या यह सच है कि रुपया खर्च करने में जो कमी हुई है उसमे ड्राउट रिलीफ के लिए सूखे से पीड़ीत क्षेत्रों में जितना रुपया वर्ष में खर्च करना था वह भी पूरा खर्च नही किया गया तो क्या मन्त्री महोदय ने जो कारण बताये है उनमे कोई कारण इस पर भी लागू होता है ?

श्री मोहन धारिया : यह भी एक कारण हो सकता है लेकिन यह तो स्टेट सेक्टर मे बात आती है फिर भी मे कहना चाहता हूं कि जितना पैसा हमने अलग अलग प्रोजेक्ट्स के लिए रखा उसमें कुछ प्रोजेक्ट्स मे खर्च नही हुआ और क्यों खर्च नही हुआ वह कारण हम सोच रहे है ।